मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 20 फरवरी 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	20-02-14	21-02-14	22-02-15	23-02-15	24-02-15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	34	34	35	35	36
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	15	15	16	16	16
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	1	2
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	66	67	72	75	73
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	24	20	27	24	25
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	7	9	10	6	4
हवा की दिशा	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व	पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

गेहूँ की फसल में चौथी सिंचाई फसल बोने के 80 से 85 दिन पर व पाँचवी सिंचाई 100 से 105 दिन पर करें एवं अन्तिम सिचॅाई 115 से 120 दिन बाद दाना पकते समय करें।

सरसों की फलियां हल्की पीली पडने या फलियां चटकने से पहले कटाई करें। जिन किसान भाईयों के यहॉ सरसों पक गई है वह किसान कटाई करें व सुखने पर दाना निकाल कर सुरक्षित स्थान पर रखें।

जिन किसान भाईयों के यहॉ सिचॉई के लिये अच्छा पानी है वह किसान भाई ग्रीष्मकालीन ग्वार की बुवाई फरवरी के अन्तिम सप्ताह से मार्च के प्रथम सप्ताह तक कर सकते है।

ग्रीष्मकालीन ग्वार की उन्नत किस्में आर.जे.936, एच.जी.365, एच.जी.563 व आर.जी. एम.112 की बुवाई करें। बुवाई के लिए 10 से 12 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर प्रयोग करें।

तापमान में बढोतरी से गेहूँ की फसल में दीमक के प्रकोप के लक्षण दिखाई देने पर क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. 4 लीटर प्रति हैक्टेयर सिंचाई के पानी के साथ देवे।

बैंगन एवं टमाटर की फसल में फल एवं तना छेदक कीट के नियंत्रण हेतु एसीफेट 75 एस.पी. 1 किलोग्राम दवा प्रति हैक्टर की दर से 200–300 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

पालतु पशुओं को संकामक रोगों जैसे खुरपका मुँहपका से बचाने के लिए पशुचिकित्सक की सलाह से उचित टीकाकरण की व्यवस्था कराये तथा संकामक रोगो से बचाने के लिए पशुओं के बाड़े को साफ एवं सूखा रखं।